

## 127067 - धार्मिकता के मार्ग की शुरुआत में एक युवा को उपदेश

---

### प्रश्न

आप उस युवक को क्या उपदेश देंगे जिसने धार्मिकता के मार्ग का अनुसरण करना शुरू किया है?

### विस्तृत उत्तर

"इस युवक के लिए जो इन शा अल्लाह सही दिशा में जा रहा है, हमारी सलाह तथा उपदेश यह है कि :

सबसे पहले :

वह हमेशा अल्लाह से दृढ़ता और सही रास्ते पर स्थिरता के लिए प्रश्न करता रहे।

दूसरा :

वह कुरआन का (उसके अर्थ में) ममन-चिंतन के साथ, अधिक से अधिक पाठ करे। क्योंकि इस कुरआन का दिल पर बड़ा प्रभाव पड़ता है, अगर इंसान इसे ध्यान और विचार के साथ पढ़े।

तीसरा :

वह आज्ञाकारिता और उपासना के कृत्यों का नियमित रूप से पालन करने का लालायित बने, ऊब या आलस्य का शिकार न हो। क्योंकि पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने असमर्थता और आलस्य से अल्लाह का शरण मांगा है।

चौथा :

वह अच्छे लोगों की संगति अपनाने का इच्छुक बने और बुरे लोगों की संगति रखने से बचे।

पांचवां :

वह अपने नपस (अर्थात स्वयं) को नसीहत करे और उपदेश दे जब उसका नपस उसे प्रभावित करने लगे, और वह अपने आपसे कहे : गंतव्य बहुत दूर है और रास्ता लंबा है। चुनौचे वह अपने आपको नसीहत करे और स्थिर व सुदृढ़ रहे; क्योंकि स्वर्ग कठिनाइयों से घिरा हुआ है और नरक इच्छाओं से घिरा हुआ है।

छठा:

वह बुरे मित्रों से दूर रहे, भले ही वे पहले उसके साथी थे। क्योंकि बुरे मित्र उसे प्रभावित करते हैं। इसीलिए पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया है: "बुरे साथी का उदाहरण लोहार की भट्टी धौंकने वाले के समान है; या तो वह आपके कपड़े जला देगा, और या तो आप उससे दुर्गंध पाएंगे।" समाप्त हुआ।

फज़ीलतुश् शेख मुहम्मद बिन उसैमीन रहिमहुल्लाह

“लिक़ाआत अल-बाब अल-मफ़तूह (1/153)”